RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | वर्ष 07 | अंक 76 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई: मराठी में संवाद करना चाहिए; गुंडागर्दी और मारपीट सर्वथा अनुचित - संजय निरुपम

Page - 4

‘महाराष्ट्र में मराठी तो बोलनी ही पड़ेगी’

हिंदीभाषी दुकानदार की पिटाई से मचे बवाल पर बोले गृह राज्य मंत्री योगेश कदम

गृहमंत्री ने मारपीट करने वालों को कानून अपने हाथ में न लेने की सलाह दी

“ महाराष्ट्र में मराठी तो बोलनी ही पड़ेगी... महाराष्ट्र में हिंदीभाषी दुकानदार के साथ मारपीट के मामले पर मचे बवाल के बीच राज्य के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम का यह बयान सामने आया है. योगेश कदम ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी तो बोलनी ही पड़ेगी, अगर मराठी नहीं आती है तो आपका यह एटीट्यूड नहीं चलेगा कि हम मराठी बोलेंगे ही नहीं. मराठी बोलने की कोशिश करेंगे. ऐसा बोल सकते हैं, बता सकते हैं.. हमें और किसी भाषा का अपमान नहीं करना है लेकिन अगर महाराष्ट्र में मराठी को कोई अनादर करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मंत्री का यह बयान उस घटना के बाद सामने आया है कि जब मुंबई में एक हिंदीभाषी दुकानदार की इस कारण पिटाई की गई, उसने मराठी में बात नहीं की. दरअसल 1 जुलाई 2025 को ठाणे स्टेशन के एक दुकान में किरण तानाजी सावंत नामक व्यक्ति मोबाइल रिचार्ज करवाने गया था. ठाणे में फोन रिचार्ज को लेकर हुई कहासुनी ने मराठी बनाम गैर-मराठी विवाद का रूप ले लिया है और उद्धव ठाकरे की पार्टी के एक नेता एक वायरल वीडियो को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं, जिसमें कुछ गैर-मराठी एक मराठी व्यक्ति से माफी मांगते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि वह व्यक्ति उनके चेहरे पर थप्पड़ मार रहा है.

यह ऐसे समय में हुआ है, जब राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कुछ समर्थकों द्वारा मराठी बोलने से इनकार करने पर एक दुकानदार पर हमला करने के बाद महाराष्ट्र में भाषा विवाद गहराता जा रहा है. इसी तरह का एक और विवाद मीरा रोड से भी सामने आया. जहां महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कुछ कार्यकताओं ने एक मिठाई की दुकान के मालिक बाबूलाल खिमजी चौधरी (48) के साथ मारपीट की. आरोप है कि दुकान के कर्मचारियों ने उनसे हिंदी में बात की थी, इससे वे गुस्सा हो गए और फिर दुकानदार के साथ मारपीट हुई.

यह विवाद तब और तेज हो गया जब उद्धव ठाकरे गुट के पूर्व सांसद राजन विचारे ने मोबाइल रिचार्ज करने वाले दुकानदार को अपने पार्टी ऑफिस पर बुलाया और इस दौरान पीड़ित किरण तानाजी सावंत ने दुकानदार के लोगों को एक थप्पड़ भी जड़ दिया. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है.

पत्नी से प्रेम संबंध के शक में युवक पर हमला

मुंबई : मुंबई में पति ने पत्नी से प्रेम संबंध होने के शक में एक युवक पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने मुंबई में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। वडाला (पूर्व) इलाके में हुई इस घटना में पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि आरोपी जुनैद खान उर्फ चाइना को संदेह था कि युवक का उसकी पत्नी के साथ संबंध है। उसने युवक को एक मंदिर के पास देखा और गुस्से में आकर कथित तौर पर तलवार जैसे हथियार से उस पर हमला कर दिया। युवक के सीने और सिर सहित शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद आरोपी वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस थाने गया और आत्मसमर्पण कर दिया।

महाराष्ट्र में 22552 करोड़ रुपए की ठगी

फडणवीस सरकार ने किया चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई: महाराष्ट्र में बढ़ते साइबर क्राइम के बीच सरकार ने एक नया आंकड़ा जारी किया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने विधान परिषद में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इन आंकड़ों का खुलासा किया है।पिछले 10 वर्ष में मुंबई में लगभग 2.71 लाख निवेशकों से 2.95 लाख करोड़ रुपये की ठगी हुई। विधान परिषद में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में फडणवीस ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में मुंबई को छोड़कर महाराष्ट्र में लगभग 1.05 करोड़ निवेशकों को 22,552 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार होना पड़ा। उन्होंने कहाने कहा कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जानकारी दी है कि मुंबई में पिछले दस साल में 2.71 लाख निवेशकों से 2,95,451 करोड़ रुपये की ठगी हुई है।

वर्ष 2016 से 2025 तक राज्य में 11,033.97 करोड़ रुपये की आर्थिक धोखाधड़ी से जुड़े कुल 46,321 मामले दर्ज किए गए। फडणवीस ने अपने जवाब में कहा कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल को 2024 में महाराष्ट्र से 1,186.46 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े 58,157 मामलों की जानकारी मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई से 31,583 मामले, पुणे से 13,971 और ठाणे से 12,582 मामलों की जानकारी मिली। फिलहाल, राज्य में 50 साइबर थाने कार्यरत हैं। निवेशकों को ठगने वाली विभिन्न वित्तीय योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए, मुंबई पुलिस और राज्य की विभिन्न पुलिस इकाइयों ने एक आर्थिक खुफिया इकाई का गठन किया है।

ऑन ड्यूटी 427 पुलिस कर्मियों की मौत

उद्धव ठाकरे गुट के नेता सुनील शिंदे ने विधान परिषद में स्टेट पुलिस के मेंटल हेल्थ और ड्यूटी ऑवर्स का मुद्दा उठाया था। इसका जबाव देते हुए बुधवार को महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया था कि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक साल 2022 से लेकर जून 2025 तक ऑन ड्यूटी 427 पुलिस कर्मचारियों की मृत्यु हुई है।

सरकार के मुताबिक इसके नेचुरल डेथ समेत सुसाइड और हार्ट अटैक जैसे सभी आंकड़े शामिल हैं, जिसमें से 25 पुलिस अधिकारियों ने आत्महत्या की उसके कई कारण हैं। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने सवालों पर जवाब देते हुए कहा कि पुलिस वेलफेयर के लिए काम किया जा रहा है, यह सत्य है कि कई पुलिस कर्मचारियों की मौत ऑन ड्यूटी हुई है और उसके विभिन्न कारण है।

कुपोषण के आंकड़े चिंताजनक...

ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरों में कुपोषित बच्चों की संख्या ज्यादा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में कुपोषित बच्चों के आंकड़े बेहद ही चिंताजनक हैं. सरकारी आंकड़े बताते हैं कि राज्य में 1,82,443 बच्चे कुपोषित हैं. मुंबई उपनगरों में सबसे अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार हैं. ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में कुपोषण के आंकड़ों में बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है. मुंबई उपनगरों में 16,344 कुपोषित बच्चे हैं. इनमें से 1,3457 मध्यम कुपोषित बच्चे और 2,887 गंभीर कुपोषित बच्चे हैं जबकि राज्य में मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या 1,51,643 और गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या 30,800 है.

मुंबई उपनगरों के बाद नासिक जिले में कुपोषण की संख्या में वृद्धि हुई है. नासिक में 9,852 बच्चे कुपोषण का शिकार हैं, जिनमें से 8,944 मध्यम कुपोषित और 1,852 गंभीर कुपोषित हैं. वहीं ठाणे में 7,366 मध्यम कुपोषित बच्चे और 844 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे हैं. उधर, पुणे में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं. यहां 7,410 मध्यम कुपोषित बच्चे और 1,666 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे हैं. धुले जिले में भी बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण का शिकार हैं. यहां 6,377 मध्यम कुपोषित बच्चे और 1,741 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे हैं.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

रोजगार को गति...

मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को मंजूरी दे दी। इसकी घोषणा वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में की गई थी। यह योजना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि भारत की आर्थिक वृद्धि को उपयोगी रोजगार अवसरों के रूप में प्रतिफलित होना चाहिए। सावधिक श्रम शक्ति सर्वे के ताजा मासिक बुलेटिन के अनुसार श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 33.2 फीसदी रही जो वैश्विक औसत से काफी कम है। युवाओं (15-29 वर्ष) की बेरोजगारी की दर 15 फीसदी थी। यह 5.6 फीसदी की कुल बेरोजगारी दर की तुलना में काफी अधिक है। इसके अलावा अधिकांश लोग असंगठित क्षेत्र में कम वेतन वाले काम कर रहे हैं।

ईएलआई योजना का लक्ष्य औपचारिक रोजगार में सुधार करना है और इसके दो हिस्से हैं। पहला हिस्सा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में पहली बार पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों के भविष्य निधि फंड (पीएफ) में 15,000 रुपये का एकबारगी भुगतान करने से संबंधित है। अधिकतम एक लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी इसके पात्र होंगे और उनके खाते में यह राशि दो किस्तों में डाली जाएगी। उम्मीद है कि इस योजना से पहली बार नौकरी पाने वाले 1.92 करोड़ लोगों को लाभ होगा और कर्मचारियों में बचत की प्रवृत्ति भी पैदा होगी। दूसरा हिस्सा नियोक्ताओं को वित्तीय मदद मुहैया कराने से संबंधित है जिसके तहत हर नए तैयार होने वाले रोजगार की लागत का कुछ बोझ साझा किया जाएगा। सरकार नियोक्ताओं को हर नए कर्मचारी के लिए दो साल तक प्रति माह 3,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि देगी। विनिर्माण के क्षेत्र में इसे चौथे वर्ष तक बढ़ाया जाएगा। औपचारिक रोजगार तैयार करने के लिए निजी कंपनियों को प्रोत्साहित करने से लगभग 2.6 करोड़ लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार तैयार होने की उम्मीद है। कुल 99,446 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस योजना के जरिये दो साल में देश में करीब 3.5 करोड़ रोजगार तैयार होने की उम्मीद है।

यह योजना विनिर्माण क्षेत्र पर केंद्रित है और जिससे पता चलता है कि यह केंद्र सरकार की रोजगार रणनीति के लिए कितनी अहम है। उम्मीद है कि ईएलआई जैसी लक्षित योजनाओं की मदद से विनिर्माण क्षेत्र बड़ी संख्या में कम कौशल वाले श्रमिकों को शामिल करेगा और उन्हें औपचारिक व्यवस्था में लाएगा। परंतु केवल इतना करने से बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार तैयार करने में देश की गहरी ढांचागत चुनौती को दूर करने में मदद नहीं मिलेगी। ढांचागत गतिरोध यानी कठोर श्रम कानूनों से लेकर कौशल प्रशिक्षण के कमजोर परिणामों तक तमाम बातें रोजगार को बाधित कर रही हैं। इंस्टीट्यूट फॉर कंपेटिटिवनेस द्वारा हाल ही में जारी स्किल्स फॉर द फ्यूचर रिपोर्ट के अनुसार 2023-24 में लगभग 88 फीसदी कामगार कम योग्यता वाले पेशों में लगे थे।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

प्रवीण बागडे 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025' के लिए सम्मानित

नागपुर : महाराष्ट्र पशु व मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (माफसु), नागपुर के विस्तार शिक्षा विभाग में कार्यरत स्वीय सहायक प्रवीण बागडे को 29 मई से 12 जून 2025 के बीच केंद्र सरकार के 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025' का विश्वविद्यालय रिपोर्ट तैयार करने के लिए सक्रिय सहभाग के लिए डॉ. अनिल भिकाने, निदेशक, विस्तार शिक्षा द्वारा सेवानिवृत्ती समारोह में पुष्पगुच्छ और सम्मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे पहले भी उनके उल्लेखनीय कार्य, उत्साह और निष्ठा के लिए 'उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार' और 'उत्कृष्ट अधिकारी पुरस्कार' प्रदान करके गौरनवित किया गया। उनके लगातार सफल प्रयासों की बहुत सराहना की जाती है। देशभर 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' यह राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया था, जो भारतीय कृषि को वैज्ञानिक पद्धतियों, सतत पद्धतियों और किसानों के सशक्तीकरण के माध्यम से आधुनिक बनाने के लिए समर्पित था। इसका मार्गदर्शन केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअप) ने कृषि और किसान कल्याण विभाग के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर विस्तार विभाग के डॉ. गीतांजली ढुमे, डॉ. सारीपुत लांडगे, श्री मोहन कापसे और गौरी भदोरिया को भी उनके समर्पित कार्य के लिए आयोजित कार्यक्रम में पुष्पगुच्छ और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

परिवहन मंत्री सरनाईक ने माल ट्रांसपोर्टरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया

मुंबई : जारी एक बयान में परिवहन मंत्री सरनाईक ने माल ट्रांसपोर्टरों से अपनी चल रही हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी चिंताओं को गंभीरता से ले रही है और समाधान की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिवहन क्षेत्र की शिकायतों को दूर करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति पहले ही गठित की जा चुकी है और उम्मीद है कि समिति एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।

सूत्रों के अनुसार, माल ट्रांसपोर्टरों के एक वर्ग द्वारा हड़ताल के बावजूद बुधवार को न्यूनतम व्यवधान देखा गया। कई परिवहन यूनियनों ने सामान्य परिचालन जारी रखते हुए केवल नैतिक समर्थन की पेशकश की। 2 जुलाई से शुरू होने वाली योजनाबद्ध स्कूल बस हड़ताल को रद्द करने से स्थिरता बनाए रखने में और मदद मिली। मंत्री सरनाईक ने कहा कि स्कूल बस संचालकों ने भी हड़ताल पर जाने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने अपना आंदोलन वापस ले लिया है। उन्होंने बाकी हड़ताली ट्रांसपोर्टरों से भी ऐसा ही करने की अपील की और इस बात पर जोर दिया कि उनका सहयोग जनता के कल्याण और राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है। सरनाईक ने आर्थिक विकास को गति देने और व्यापार और वाणिज्य को सुविधाजनक बनाने में परिवहन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

पुणे पोर्श हादसा: आरोपियों पर मुकदमे को टालने की कोशिश का आरोप

पुणे : मई 2024 में दो IT प्रोफेशनल्स की जान लेने वाले पोर्श कार हादसे के मामले में अभियोजन पक्ष ने बुधवार को कोर्ट में कहा कि आरोपी लोग जानबूझकर ''फिजूल'' याचिकाएं दाखिल कर रहे हैं ताकि मुकदमा लंबा खींचा जा सके। यह हादसा 19 मई 2024 को हुआ था, जब एक 17 साल के नाबालिग लड़के ने, जो एक नामी बिल्डर का बेटा है, शराब के नशे में एक तेज रफ्तार पोर्श कार चलाई और पुणे के कल्याणी नगर में दो IT पेशेवरों अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्टा को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अब कोर्ट में 10 आरोपियों पर सुनवाई चल रही है, जिन पर नाबालिग के खून के नमूने बदलने की साजिश का आरोप है। दावा है कि सरकारी ससून अस्पताल में नाबालिग के खून के बदले उसकी मां का सैंपल जांच के लिए भेजा गया, ताकि शराब पीने का सबूत छुपाया जा सके।

अभियोजन पक्ष ने क्या कहा?

विशेष सरकारी वकील शिशिर हिराय ने कोर्ट में कहा कि सभी 10 आरोपी, जिनमें से 9 जेल में हैं, इस साजिश में बराबर के हिस्सेदार हैं। उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष के पास उ्ठअ जांच जैसे ठोस सबूत हैं जो खून के नमूनों की अदला-बदली को साबित करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ आरोपी जानबूझकर चार्जशीट की ''कॉपी नहीं मिली'' जैसे बहाने बनाकर मुकदमे में देरी कर रहे हैं, जबकि उन्हें चार्जशीट दी जा चुकी है।

मुंबई : मिलावटी और हानिकारक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर चिंता... एफडीए की आलोचना

मुंबई : राज्य में मिलावटी और हानिकारक खाद्य पदार्थों की ''बिना निगरानी'' बिक्री पर चिंता व्यक्त करते हुए, एमएलसी सत्यजीत तांबे ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) विभाग की ''कार्रवाई की कमी'' के लिए आलोचना की। तांबे ने विधान परिषद में कहा कि 'स्टिंग' और 'चार्ज्ड' एनर्जी ड्रिंक और एनालॉग पनीर जैसे उत्पाद खुलेआम बेचे जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि यह मुद्दा युवाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। गौरतलब है कि उन्होंने पिछले साल भी विधान परिषद में इस मुद्दे को उठाया था और सरकार से स्कूलों और कॉलेजों के 500 मीटर के दायरे में एनर्जी ड्रिंक की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। उन्होंने जनवरी में एफडीए मंत्री नरहरि जिरवाल से भी मुलाकात की थी। फिर भी, बार-बार अपील के बावजूद आज तक पर्याप्त कार्रवाई न होना बेहद चिंताजनक है, तांबे ने जोर देकर कहा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 04 जुलाई 2025

मुंबई : बाइक सवार तीन लोगों का एक्सीडेंट, दो की मौत, एक घायल

मुंबई : गोराई इलाके में एक भीषण हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा मंगलवार सुबह भयंदर के पास उत्तान-गोराई रोड पर हुआ। हादसे में शामिल बाइक पर तीन युवक सवार थे। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर के नशे में होने की वजह से हादसा हुआ।

मुंबई के शिव कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले तीन युवक मंगलवार सुबह भयंदर के गोराई-उत्तान रोड पर एक ही बाइक पर सवार थे। बाइक शिवम झा (27) चला रहा था, जबकि रेहान चौधरी (27) और दिनेश तेवर (25) उसके पीछे बैठे थे। तीनों ने शराब पी रखी थी। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें इलाज के लिए भयंदर के टेंभा अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां शिवम झा और रेहान चौधरी को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दिनेश तेवर का इलाज चल रहा है। शिवम और रेहान एक कॉल सेंटर में काम करते थे। दिनेश तेवर एक निजी बैंक में बीमा एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। इस बारे में जानकारी देते हुए गोराई पुलिस ने बताया कि सोमवार रात तीनों दोस्त माटुंगा में डिनर के लिए मिले थे। वहां उनकी मुलाकात एक और दोस्त से हुई। इसके बाद चारों ने गोराई घूमने का फैसला किया। उनके पास दो दोपहिया वाहन थे। चारों उसी पर चल पड़े थे। हालांकि, चौथे दोस्त ने सही समय पर फैसला रद्द कर दिया और जोगेश्वरी से निकल गया। इसलिए तीनों एक दोपहिया वाहन पर सवार होकर देर रात गोराई पहुंचे। सुबह 4 बजे एक बंगले पर उतरे। उन्होंने वहां सुबह 8 बजे तक शराब पी। बाद में उन्होंने गोराई बीच जाने का फैसला किया।

मुंबई : 12 साल की बच्ची का यौन शोषण, 65 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

मुंबई : सेंट्रल मुंबई के करी रोड इलाके से डरा देने वाली खबर है। पुलिस ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। यह शख्स अपने पड़ोस में रहने वाली एक 12 साल की बच्ची का यौन शोषण करता था। बच्ची ने हिम्मत दिखाई और शख्स की इस करतूत को अपने मोबाइल में रेकॉर्ड किया। बच्ची ने इस वीडियो को अपनी मां को दिखाया, जिसके बाद उनके होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मंगलवार को लड़की के पड़ोस में रहने वाले डाकघर के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को गिरफ्तार किया। एफआईआर के अनुसार, आरोपी की घिनौनी करतूत मई में शुरू हुई। एक दिन बच्ची बिल्डिंग के सेकंड फ्लोर पर कॉमन कॉरिडोर में खड़ी थी।

बच्ची ने बताया कि आरोपी ने उससे अश्लील इशारे किए। इसके अलावा, एक और दिन जब लड़की अपने पड़ोसी के घर पर ट्यूशन क्लास लेने गई थी तो आरोपी वहां आया। उसने बच्ची के साथ बैड टच किया।

बच्ची ने की रिकॉर्डिंग

पुलिस ने कहा कि हाल ही में जब आरोपी ने फिर से उस पर कथित रूप से अश्लील इशारे किए, तो उसने अपने फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया। फिर उसने उसे अपनी मां को दिखाया। इसके बाद उसके माता-पिता ने एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया।

इन धाराओं में केस

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 और 79 और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे रिहा करने से पहले एक नोटिस दिया गया।

मीरा रोड स्थित प्राकृतिक नाले के मार्ग में परिवर्तन, स्थानीय लोगों ने किया विरोध...

भायंदरः महानगरपालिका मीरा रोड स्थित प्राकृतिक नाले के मार्ग में परिवर्तन कर नया नाला बना रही है। इसके कारण स्थानीय नागरिकों ने इस कार्य का विरोध किया है तथा प्रशासन से इस कार्य को रद्द करने की मांग की है। मीरा रोड स्थित शांतिवन क्षेत्र में कई वर्षों से एक प्राकृतिक नाला बह रहा था। इसके कारण भारी बारिश के बाद भी जल जमाव की समस्या उत्पन्न नहीं होती है। हालांकि, कुछ दिनों पहले महानगरपालिका प्रशासन ने इस नाले के प्रवाह में परिवर्तन कर इस पर नाला बनाने का कार्य किया। हालांकि, स्थानीय नागरिकों ने इसका विरोध किया है।

इस संबंध में स्थानीय हाउसिंग कॉम्प्लेक्स ने महानगरपालिका को लिखित शिकायत की है तथा इसमें लगाए गए आरोपों के अनुसार महानगरपालिका प्रशासन ने संकरी सड़क पर नाला बनाने का कार्य किया है। इसके कारण भविष्य में यह सड़क अपर्याप्त हो जाएगी। साथ ही नाले के मुख्य प्रवाह में परिवर्तन के कारण पूरे क्षेत्र में जल जमाव की संभावना है।

साथ ही, चूंकि आवश्यकता न होने पर भी नालों के निर्माण के काम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, इसलिए नागरिकों ने भी इस काम को तत्काल रोकने की मांग की है। 35 पेड़ काटने का आरोपः स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से शिकायत की है कि नए नाले बनाने के काम के लिए नगर निगम प्रशासन ने एक ही रात में करीब 35 पेड़ काट डाले। इस मामले में पर्यावरणविद भी एकजुट हो गए हैं और प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

मुंबई : खतरनाक इमारत के पुनर्विकास को रोका, आठ किराएदारों पर 2-2 लाख रुपये का जुमार्ना...

मुंबईः मलाड पश्चिम में एक खतरनाक इमारत के आठ किराएदारों ने पुनर्विकास को रोकने की कोशिश की थी। हालांकि, अदालत ने उनकी भूमिका को बाधा डालने वाला मानते हुए उन पर 2-2 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। मनपा ने 100 साल पुरानी कृष्णा बाग बिल्डिंग नंबर 1 को 2023 में नोटिस जारी किया था। इमारत खतरनाक स्थिति में है और रहने लायक नहीं है। इसलिए मनपा ने नोटिस में कहा था कि इसे तुरंत खाली कर गिराया जाए। मनपा द्वारा इमारत को जारी किए गए इस नोटिस को आठ किराएदारों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इससे पहले भी मनपा ने अक्टूबर 2020 में इमारत को खतरनाक बताते हुए नोटिस जारी किया था। हालांकि, आठ किराएदारों ने मांग की थी कि मनपा का नोटिस रद्द किया जाए और इमारत को अत्यधिक खतरनाक श्रेणी के बजाय मरम्मत योग्य श्रेणी में शामिल किया जाए। दूसरी ओर, जमीन के मालिक ने तोड़फोड़ के नोटिस को तामील करने का आदेश मांगा था। इन दोनों याचिकाओं की सुनवाई के दौरान जस्टिस अजय गडकरी और कमल खता की पीठ ने किराएदारों की दलीलों और मांगों को भी खारिज कर दिया। किराएदारों ने दावा किया था कि इमारत के जीर्णोद्धार के बाद

ग्राउंड फ्लोर खतरनाक नहीं होगा और इसलिए इमारत को खाली करके उसे गिराना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने इस दलील को मानने से इनकार कर दिया। साथ ही किराएदार मकान मालिक द्वारा शुरू किए गए पुनर्विकास प्रयासों में बाधा नहीं डाल सकते।

दरअसल, आदेश में कहा गया था कि मकान मालिक को इमारत की संरचनात्मक स्थिरता के आधार पर यह तय करने का अधिकार है कि उसे गिराया जाए या नहीं। हालांकि महाराष्ट्र किराया नियंत्रण अधिनियम के तहत किराएदारों के अधिकार सुरक्षित हैं, लेकिन ये अधिकार केवल पुनर्निर्माण तक ही सीमित हैं। कोर्ट ने किराएदारों को राहत देने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि पुनर्विकास में किराएदारों के ये अधिकार सुरक्षित नहीं हैं।

आदेश पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया

किराएदारों ने कोर्ट से अनुरोध किया था कि उन्हें छह सप्ताह की रोक दी जाए ताकि वे सुप्रीम कोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील कर सकें। हालांकि, कोर्ट ने उनके अनुरोध को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनकी भूमिका के कारण अन्य निवासियों को परेशानी उठानी पड़ी। इसी प्रकार, न्यायालय ने किरायेदारों को जुमार्ने की राशि चार सप्ताह के भीतर सशस्त्र सेना युद्ध दुर्घटना कल्याण कोष में जमा करने का भी आदेश दिया।

ऑनलाइन खरीदारी की शिकायत करने वाले बुजुर्ग से 3 लाख रुपए ठगे

मुंबईः घाटकोपर में एक घटना घटी, जहां एक बुजुर्ग ने ऑनलाइन ऑर्डर की गई वस्तु कई दिनों बाद भी घर नहीं पहुंचने की शिकायत की, जिससे एक जालसाज ने 3 लाख रुपए ठग लिए। घाटकोपर पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घाटकोपर के एलबीएस मार्ग इलाके में रहने वाले शिवपूजन सिंह (59) ने आठ दिन पहले ऑनलाइन मच्छर भगाने वाली डिवाइस खरीदी थी। हालांकि, कई दिनों बाद भी उन्हें डिवाइस नहीं मिली। इसलिए, उन्होंने इसकी शिकायत करने के लिए ऑनलाइन उत्पाद बेचने वाली कंपनी के ग्राहक प्रतिनिधि का संपर्क नंबर ढूंढा। इस संपर्क नंबर पर कॉल करने के बाद, एक व्यक्ति ने उन्हें बताया कि इस संबंध में एक शिकायत दर्ज की गई है और उनके बैंक विवरण मांगे। सिंह ने तुरंत सभी बैंक विवरण दे दिए। इसके बाद, आरोपी ने सिंह का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया और अपने खाते में दूसरा नंबर जोड़ दिया।

मुंबई : 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य – उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलवाद लगभग खत्म होने की कगार पर है, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सलियों का समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगी। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, ''गढ़चिरौली में नक्सलवाद लगभग खत्म होने की कगार पर है... हमारे गृह मंत्री ने 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और हम उस राह पर हैं। उन्होंने कहा, ''नक्सलवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी... हम महाराष्ट्र में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। जहां भी नक्सलवाद था, वहां अब विकास हो रहा है और नक्सलवाद को खत्म करके हम विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।'' एक आधिकारिक बयान में पहले कहा गया था कि गढ़चिरौली पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से 27 जून को एक संयुक्त अभियान के दौरान एक मोस्ट वांटेड माओवादी कमांडर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पालो पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 6 लाख रुपये का इनाम था। इस गिरफ्तारी के साथ, जनवरी 2022 से गढ़चिरौली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए माओवादियों की कुल संख्या बढ़कर 104 हो गई है, जो इस क्षेत्र में जारी नक्सल विरोधी अभियानों की प्रभावशीलता को उजागर करती है।

इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्रों के लिए एक बड़ी आपदा रही है, जिसके कारण पिछले 35 वर्षों में लगभग 40,000 लोग मारे गए हैं और कई लोग विकलांग हो गए हैं। शाह ने पहले नवा रायपुर में कहा, ''नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्रों के लिए एक बड़ी आपदा रही है, जिसके कारण पिछले 35 वर्षों में लगभग 40,000 लोग मारे गए हैं, जबकि कई लोग विकलांग हो गए हैं।''

पुणे : महिला की क्रूरता, पालतू बिल्ली को पटकने का वीडियो वायरल

पुणे : एक परेशान करने वाले सीसीटीवी वीडियो में पुणे की एक महिला अपने पालतू बिल्ली को बार-बार जमीन पर पटकती हुई दिखाई दी, फिर उसने जानवर को हवा में उछाल दिया। सोसाइटी फॉर एनिमल सेफ्टी के नितेश खरे द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए जाने के बाद इस रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो ने ऑनलाइन आक्रोश पैदा कर दिया। वीडियो साझा करते हुए, खरे ने कहा कि महिला की पहचान एक छात्रा के रूप में हुई है, जो अपने साथी के साथ शहर में रह रही थी। भयावह सीसीटीवी क्लिप में, वह एक गलियारे में बिल्ली को उठाती हुई दिखाई दे रही है, जब वह उसके कमरे में घुसने की कोशिश कर रही थी। क्रोधित होकर, वह उसे हवा में ऊंचा उछालने से पहले बार-बार फर्श पर पटकती हुई दिखाई देती है। जानवर तेजी से भाग जाता है, लेकिन वह उसका पीछा करती है।

फिर वह अपने हाथ में बिल्ली के साथ फ्रेम में वापस आती है, उसे थप्पड़ मारती है और फिर उसे दूसरी दिशा में फेंक देती है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, ''छत्तीसगढ़ की एक छात्रा ने अपने साथी के साथ पुणे में रहकर एक पालतू बिल्ली को बेरहमी से पीटा और गलियारे में फेंक दिया। त्वरित कार्रवाई और पुलिस के हस्तक्षेप के कारण, हमने उन्हें हिरासत में लिया और उन्हें उनकी गलती का एहसास कराया। बिल्ली अब सुरक्षित है और जल्द ही एक प्यार भरे पालक घर में चली जाएगी। एनसी दायर किया गया है।'' खरे ने कहा कि महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी पहचान लोगों के सामने नहीं बताई गई। हालांकि, उन्होंने गैर-जिम्मेदार पालतू मालिकों के लिए एक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, ''याद रखें: आपके पालतू जानवर किसी भी परिवार के सदस्य की तरह ही प्यार, देखभाल और सम्मान के हकदार हैं। अगर हमें कभी भी जानवरों के साथ दुर्व्यवहार होता हुआ मिलता है, तो हम सुनिश्चित करेंगे कि सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।'' वीडियो पर तुरंत ही टिप्पणियों की बाढ़ आ गई, महिला की हरकतों से लोग स्तब्ध रह गए। ''यह सही नहीं है।

मुंबई : महाराष्ट्र में 1.35 लाख करोड़ रुपये के 17 बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट को मंजूरी...

मुंबई : महाराष्ट्र में औद्योगिक विकास और रोजगार बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट उप-समिति की बैठक में 17 बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स से राज्य में लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा और करीब 1 लाख लोगों को सीधा व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी बयान में बताया गया कि ये प्रोजेक्ट्स सेमीकंडक्टर, सोलर सेल, ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) कंपोनेंट, लिथियम-आयन बैटरी, रक्षा उपकरण, टेक्सटाइल, ग्रीन स्टील और गैस से केमिकल बनाने जैसे उन्नत तकनीक वाले क्षेत्रों से जुड़े हैं। इन प्रोजेक्ट्स को पूंजी अनुदान, बिजली दर में छूट, ब्याज पर सब्सिडी, जमीन की कीमत में छूट, एढक्र्में रियायत जैसे कई प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

मुंबई : चार साल में 427 पुलिसकर्मियों की मौत!

75 पुलिसकर्मियों को दिल का दौरा; 25 पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की

मुंबई : बीते चार साल में 427 पुलिसकर्मियों की मौत हुई है। 75 पुलिसकर्मियों को दिल का दौरा पड़ा है। 25 पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की है। यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी है। लंदन की मेट्रोपोलिटन पुलिस (स्कॉटलैंड यार्ड) के बाद मुंबई पुलिस को दुनिया में दूसरे नंबर की पुलिस माना जाता है, लेकिन देश की आर्थिक राजधानी में पिछले चार वर्षों में 427 पुलिसकर्मियों की असामयिक मौत होने का चौंकाने वाला सच सामने आया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मुंबई में वर्ष 2022 से जून 2025 के बीच 427 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौत हुई है। इनमें से 25 ने आत्महत्या की है, जबकि 75 पुलिसकर्मियों का हृदयाघात से निधन हुआ। वहीं, छह लोगों की कैंसर के कारण मौत हुई। सीएम ने विधान परिषद में दिए जवाब में कहा कि इन पुलिसकर्मियों की मौत के मामले में कोई जांच नहीं की गई, क्योंकि उनके रिश्तेदारों ने कोई संदेह नहीं जताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के 150 दिवसीय योजना कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों की अनुकंपा भर्ती से संबंधित सभी मामलों को मिशन मोड पर हल किया जाएगा। इस संबंध में सभी विभागों को आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने विधान परिषद में शिवसेना के सुनील शिंदे की जांच की मांग पर यह जवाब दिया है।

मुंबई पुलिस के लिए 8 घंटे का ड्यूटी कॉन्सेप्ट लागू

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में 8 घंटे की ड्यूटी का कॉन्सेप्ट लागू है। कभी-कभी त्योहारों या बंदोबस्त के दौरान पुलिसवालों को ज्यादा ड्यूटी करनी पड़ती है, लेकिन पुलिस की 8 घंटे की ड्यूटी अब स्थिर हो गई है। साथ ही, पुलिस को साप्ताहिक अवकाश देना शुरू कर दिया गया है।

270 अस्पतालों के साथ समझौता किया गया

वहीं, 40 वर्ष से अधिक आयु के पुलिसकर्मियों के लिए साल में एक बार और 50 वर्ष से अधिक आयु के पुलिसकर्मियों के लिए साल में दो बार स्वास्थ्य जांच अनिवार्य किया गया है। 40 तरह की बीमारियों का मुफ्त इलाज किया जा रहा है। इसके लिए राज्य के 270 अस्पतालों के साथ समझौता किया गया है। टाटा मेमोरियल और एके मेहता हॉस्पिटल के साथ कैंसर जांच शिविर आयोजित किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ड्रग्स तस्करों के खिलाफ कठोर कानून बनाने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थ तस्करों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कठोर कार्रवाई करने के लिये मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी।

मुंबई: मराठी में संवाद करना चाहिए; गुंडागर्दी और मारपीट सर्वथा अनुचित - संजय निरुपम

मुंबई: महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्यता को लेकर जहां विपक्ष और सरकार के बीच घमासान जारी है तो वहीं दूसरी ओर मुंबई की मीरा रोड पर एक गुजराती बिजनेसमैन की पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले पर मीरा भाईंदर पुलिस की भी एक्शन में आई है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के द्वारा मनसे कार्यकताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, तो वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। इसकी जद में एकनाथ शिंदे की पार्टी के नेता संजय निरुपम भी आ गए हैं।

संजय निरुपम ने एक्स पर लिखा था कि महाराष्ट्र में रहनेवाले सभी लोगों को मराठी में संवाद करना चाहिए। यह आग्रह उचित है, परंतु इसके लिए गुंडागर्दी और मारपीट सर्वथा अनुचित है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ऐसी घटनाओं का संज्ञान लें और सख्त कार्रवाई करें। वरना बीएमसी चुनाव तक मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले गरीब और कमजोर गैर मराठी भाषी लोगों की सुरक्षा लगातार खतरे में रहेगी। कृपया इसकी गंभीरता को समझें और कड़ा एक्शन लेने का आदेश जारी करें। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगो ने निरुपम को घेर लिया था। कुछ यूजर्स ने लिखा था कि सत्ताधारी दल के नेता होने के बाद आग्रह तक सीमित मत रहिए। इस मामले में कार्रवाई करवाएं, हालांकि इस मामले के तूल पकड़ने के बाद मीरा भाईंदर पुलिस ने केस दर्ज किया है। महाराष्ट्र में गरमाया है मराठी मुद्दा राज्य में यह पूरा मामला ऐसे वक्त पर चर्चा का विषय बना है जब मनसे चीफ और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे राज्य में हिंदी अनिवार्यता का आदेश वापस होने पर मराठी विजय दिवस मनाने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं।

संपर्क कार्याल : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com